स्वामी अग्निवेश जी के 83वें जन्मदिन के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

****

आर्य समाज के कार्य एवं समाज सुधार के लिए समर्पित थे स्वामी अग्निवेश-
प्रो.विट्ठलराव आर्य

स्वामी अग्निवेश जी व्यवस्था परिवर्तन में विश्वास रखते थे
- स्वामी आर्यवेश

गरीब, मजदूर एवं महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ते थे स्वामी अग्निवेश जी
- बहन पूनम आर्या

वसुधैव कुटुम्बकम् एवं शांति के पक्षधर थे स्वामी अग्निवेश जी
- आचार्य ऐशि फुंतशोक (बौद्ध भिक्षु)

विश्व शांति दिवस का आयोजन

दिनांक - 21 सितम्बर, 2021(बहलपा):
अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आर्य संन्यासी, बंधुआ मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले, दबे कुचले लोगों की आवाज, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के पूर्व प्रधान पूज्य स्वामी अग्निवेश जी का 83वें जन्मदिवस पर अग्नियोग आश्रम बहलपा, जिला गुरुग्राम में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वैदिक विरक्त मंडल के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रणवानंद जी ने की। यज्ञ के उपरांत कार्यक्रम का संचालन मंच से प्रारम्भ हुआ।

स्वामी अग्निवेश जी की संकल्प सभा के मुख्य अतिथि हैदराबाद से पधारे सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान प्रो.विट्ठलराव आर्य जी ने कहा कि स्वामी अग्निवेश ने भरी जवानी में अपनी प्रोफेसर की नौकरी को ठोकर मारकर स्वामी दयानन्द जी द्वारा स्थापित आर्य समाज के कार्यों के लिए अपने आपको समर्पित कर दिया और उन्होंने अपने विचारों एवं कार्यों से आर्य समाज की पहचान विश्व स्तर पर बनाई। इस अवसर पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए युवा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने स्वामी अग्निवेश जी के साथ अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि स्वामी अग्निवेश जी व्यवस्था परिवर्तन में विश्वास करते थे जिससे समाज का उपकार किया जा सके। आज हमें उनके विचारों की बार-बार याद आती है कि वे कितने दूरदर्शी थे।

इस अवसर पर बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन पूनम आर्या ने स्वामी अग्निवेश जी के संस्मरणों को संक्षिप्त में बताते हुए कहा कि स्वामी अग्निवेश जी अपनी पहचान गरीबों, मजदूरों के उद्धार तथा कुरीतियों के खिलाफ अपनी आवाज को बुलन्द करके बनाई। उन्होंने भारत ही नहीं अपितु कई अन्य देशों में अपने विचारों से लोगों को प्रभावित किया। स्वामी अग्निवेश जी ने सती प्रथा के खिलाफ आन्दोलन करके कानून बनवाये, कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ यात्रा निकालकर पूरे देश में जन-जागृति फैलाने का कार्य किया। विश्व के कई संगठनों में अध्यक्ष एवं सदस्य रहते हुए मानवता के लिए अनेक उपयोगी कार्य किये।

बौद्ध भिक्षु आचार्य ऐशि फुंतशोक ने कहा कि स्वामी अग्निवेश साम्प्रदायिकता के विरोधी तथा शांति के पक्षधर थे। सभी धर्मों के बीच समन्वय कर विश्व स्तर पर शांति स्थापित करने और विश्व सरकार बनाने के हिमायती थे। इसीलिए उन्होंने हमेशा वसुधैव कुटुम्बकम की आवाज को बुलन्द करते रहे।

स्वामी विजयवेश ने कहा कि बेटी बचाओ अभियान को आगे बढ़ाने में स्वामी अग्निवेश जी ने हमें साहस प्रदान किया। स्वामी नित्यानंद ने कहा कि हरियाणा के शराबबंदी आंदोलन में स्वामी अग्निवेश जी का बहुत बड़ा योगदान है। वो आंदोलन पुरुष थे।

हंसराज भारतीय ने इस अवसर पर कविता पाठ करके स्वामी अग्निवेश जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। जतनवीर एडवोकेट, राजेन्द्र यादव पार्षद, राजेश याजिक, पूर्व विधायक अजित सिंह एडवोकेट, मनु सिंह, आर. डी. यादव, विष्णुपाल आदि ने विचार रखे।

स्वामी अग्निवेश जी की स्मृति में 11 सितंबर से 21 सितंबर तक देश व दुनिया में विशेष कार्यक्रमों की कड़ी में आज का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में धर्मेन्द्र सिंह, विष्णु, मुकेन्द्र, जावेद, ऋषिराज सहित हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश आदि प्रांतों से कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर स्वामी अग्निवेश जी द्वारा मुक्त करवाये गए 83 मजदूर परिवारों को सम्मानित किया गया।